



**::आयुक्त (अपील) का कार्यालय, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क::**  
**O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL GST & EXCISE,**



द्वितीय तल, वस्तु एवं सेवा कर भवन / 2<sup>nd</sup> Floor, GST Bhavan,

रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,

**राजकोट / Rajkot - 360 001**

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com

**रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-**

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश सं / O.I.O No.	दिनांक / Date
	V2/109/RAJ/2016	16/ST/2015-16	23.02.2016

34264/3420  
2420/3331

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

**RAJ-EXCUS-000-APP-017-2017-18**

आदेश का दिनांक / Date of Order:	<b>04.07.2017</b>	जारी करने की तारीख / Date of issue:	<b>06.07.2017</b>
------------------------------------	-------------------	--	-------------------

**कुमार संतोष, आयुक्त (अपील), राजकोट द्वारा पारित /  
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot**

ग अथवा आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गांधीधाम द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सृजित /  
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-**  
**M/s. Jeet Construction Co., "Shivam Trinetrinam",Plot No. 13, Airport Road, Income tax Society , Raiya Road, Rajkot- 360007**

इस आदेश(अपील) से संबंधित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जजद की जा सकती है।/  
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण, मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए।/  
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठ, जे-20, न्यू मेंटल हॉस्पिटल कंपाउंड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016, को की जानी चाहिए।/  
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at J-20, New Mental Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad: 380016, in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवाली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गए फॉर्म EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की सीमा, व्याज की सीमा और असादा नया जुमाना, रूप 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/  
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जितने आदेश के विरुद्ध अपील की जाती है, उतनी प्रतियां साथ में संलग्न करें (इनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की सीमा, व्याज की सीमा और असादा नया जुमाना, रूप 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/  
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-



- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न की जायेंगी। एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए और आयुक्त द्वारा संलग्न आवृत्त अथवा उपयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, को अपीलार्थ न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थ न्यायाधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एक के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलार्थ न्यायाधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्कांश का मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जमा करने अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपये से अधिक न हो।  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत 'मांग किए गए शुल्क' में निम्न शामिल है -  
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम  
(ii) सेस्टैट जमा की गई राशि  
(iii) सेस्टैट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम  
- बशर्त यह कि इस धारा के अंतर्गत वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलार्थ न्यायाधिकरण के समक्ष विचारार्थीन स्थान नहीं एवं अपील को लागू नहीं होगी।  
For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.  
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :  
(i) amount determined under Section 11 D;  
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;  
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules  
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :  
Revision application to Government of India:  
इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम पारा के अंतर्गत जब अधिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवाणु दीप भवन, संसद भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA, 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid
- (i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
- (ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विभिन्न माल प्रयुक्त करते माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
- (iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
- (iv) मुनिफिज्ड उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ह्यूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा निर्यात की गई लॉजि अथवा समायोजित पर वा बट में पारित किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
- (v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां फॉर्म संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संश्लेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साक्ष्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
- (vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।  
जहां संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
- (D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त ढंग से किया जाना चाहिए। इस लक्ष्य के होते हुए भी की विक्षा परी करों से बचने के लिए यथाभवित अपीलार्थ न्यायाधिकरण को एक अपील या केटीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if existing Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
- (E) सर्वसंबंधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थ न्यायाधिकरण (कॉपी विधि) नियमावली, 1982 में उल्लिखित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्बन्धित करने वाले नियमों की और भी ध्यान सेकित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- (G) उच्च अपीलार्थ न्यायाधिकरण को अपील दर्जित करने से संबंधित व्यवस्था, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in) को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in)

**:: ORDER-IN-APPEAL ::**

M/s. Jeet Construction Co., Shivam Trinetram, Plot No. 13, Airport Road, Income Tax Society, Raiya Road, Rajkot, Gujarat – 360 007 (hereinafter referred to as "the appellant") filed the present appeal against the Order-in-Original No. 16/ST/2015-16 dated 22.02.2016 (hereinafter referred to as "**the impugned order**") passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division, Rajkot (hereinafter referred to as "**the adjudicating authority**").

2. Briefly stated, the facts of the case are that during the course of audit, it was noticed that the appellant had provided service to BSNL, Ahmedabad for trenching, digging and laying of underground Optical Fibre Cable and other allied work in Sabhari Exch. / to Kotadi BTS (Part of Bhuj Ring-22) as per agreement dated 28.09.2010. This audit observation culminated into issuance of SCN No. VI(a)6-7/SCN/AC/15-16 dated 05.10.2015 proposing recovery of service tax amounting to Rs. 2,09,770/- under proviso to Section 73(1) of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as "the Act") alongwith interest under Section 75 of the Act and imposition of penalties under Section 77 and 78 of the Act. The adjudicating authority, vide impugned order, confirmed demand of service tax alongwith interest and also imposed penalty equal to the amount of service tax under Section 78 of the Act.

3. Being aggrieved by the impugned order, the appellant filed the present appeal, *inter alia*, on the grounds that Circular No. 123/5/2010-TRU dated 24.05.2010 has clarified that laying of cables under or alongside roads is not a service; that their activity is squarely covered under Sl.No. 2 of the table contained in the Circular; that the adjudicating authority failed to give due consideration to the decisions given by CESTAT in the case of Sanjeev Kumar Jain – 2014 (33) STR 312 (Tri.-Del.) and Chaitnya Enterprises – 2014 (35) STR 120 (Tri.-Bang.). The appellant also referred to OIO No. 28/JC/2012 dated 16.04.2012 issued by the Joint Commissioner, Rajkot in their own case on the same issue wherein the demand of service tax in relation to laying of cables was dropped on the ground of being non taxable service. The appellant has also submitted that, there has been no intent to evade payment of service tax and therefore Section 78 was not to be attracted as matter of penalty is governed by the principles as laid down by the Hon'ble Supreme Court in the landmark case of Hindustan Steel Limited – 1978 ELT (J159). The appellant has also stated that the imposition of penalty is bad in law inasmuch as there is no violation of any nature committed by them.

4. Personal hearing in the matter was held on 25.04.2017 which was attended by Shri Chetan Dethariya, Chartered Accountant. However, due to change of appellate authority, the personal hearing was again held on 21.06.2017 which was attended too by Shri Chetan Dethariya, Chartered Accountant and he reiterated Grounds detailed in Memorandum of Appeal.

**Findings:-**

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, appeal memorandum and the submissions of the appellant. The limited issue to be decided in the present appeal is whether the confirmation of demand of service tax alongwith interest and imposition of penalty under section 78 of the Act under the category of "Commercial or Industrial Construction" service in respect of work relating to laying of optical fibre cable, is correct or otherwise.

6. It is observed that the adjudicating authority has confirmed the demand of Service Tax alongwith interest and penalty as proposed in the impugned show cause notice by holding that the activities such as excavation of trench, laying of duct (HDPE pipe), passing of optical fibre cable through duct, jointing of duct/cable, backfilling, soil leveling and ancillary/allied work, etc. for laying of optical fibre cable, carried out by the appellant are covered under the definition of "Commercial or Industrial Construction Services". I find from the agreement dated 24.12.2010 entered into with BSNL, that the nature and scope of work to be performed by the appellant was laying of underground optical fibre cable and for this purpose they were required to undertake some related work such as trenching, digging, etc. I also observe that BSNL is a company providing telephone service, cell phone services and internet services to the public/their customers, which necessitate laying of optical fibre cable. Therefore, I am of considered view that laying of optical fibre cable is the principal activity carried out by the appellant and trenching, digging and other related activities carried out by the appellant are incidental and ancillary activities and are required to be carried out for the performance of their main activity i.e. laying of optical fibre cable.

7. The appellant has vehemently argued that Circular No. 123/5/2010-TRU dated 24.05.2010 has clarified that laying of cables under or alongside roads is not a taxable service, and I find force in the argument of the appellant. I find that the said Circular dated 24.05.2010 issued by CBEC under

subject "Applicability of service tax on laying of cables under or alongside roads and similar activities" and it has clarified at Sr.No. 2 of Para 3 that laying of cables under or alongside roads is not a taxable service under any clause of sub-section (105) of Section 65 of the Finance Act, 1994. Para 2(iv) of the circular also clarifies that 'site formation and clearance, excavation and demolition services' are attracted only if the service providers provide these services independently and not as part of a complete work such as laying of cables under the road. Accordingly, I hold that the appellant is not liable for payment of service tax for carrying out activities of laying optical fibre cable for BSNL and I set aside the demand confirmed vide the impugned order.

8. Since, demand of service tax is not sustainable; the order for recovery of interest and imposition of penalty do not survive.

9. In view of above discussion and findings, I allow the appeal filed by the appellant, with consequential benefit, if any.

१०. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

10. The appeals filed by the appellant stands disposed off in above terms.

कुमार संतोष  
(कुमार संतोष) पंजीकृत  
आयुक्त (अपील्स)

**By Speed Post**

To,  
M/s. Jeet Construction Co.,  
Shivam Trinetram, Plot No. 13,  
Airport Road, Income Tax Society,  
Raiya Road, Rajkot,  
Gujarat - 360 007

मे. जीत कन्स्ट्रक्शन कंपनी,  
शिवम त्रिनेत्र, प्लॉट नं. १३,  
एयरपोर्ट रोड, इंकम टैक्स सोसाइटी,  
रैया रोड, राजकोट,  
गुजरात - ३६० ००७

**Copy to:**

- 1) The Chief Commissioner, CGST & Central Excise, Ahmedabad.
- 2) The Principal Commissioner, CGST & Central Excise., Rajkot.
- 3) The Assistant Commissioner, CGST & Central Excise, Rajkot.
- 4) The Superintendent, CGST & Central Excise, Range-II, Rajkot.
- 5) Guard file.